महत्वपूर्ण एवं खास

दुर्ग-राजेन्द्रनगर एवं ऋषिकेश-पूरी स्पेशल ट्रेन आज लगभग साढ़े तीन घंटे विलंब से रवाना होगी

रायपुर (आरएनएस)। दक्षिण पूर्व रेलवे चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत राउरकेला-झारसुगुड़ा सेक्शन के बीच लेवल क्रॉसिंग की ऊंचाई बढ़ाने का निर्माण कार्य के चलते दुर्ग से राजेन्द्रनगर और योगनगरी ऋषिकेश से पूरी के मध्य चलने वाली स्पेशल ट्रेनें लगभग साढ़े तीन घंटे विलंब से चलेगी। रेल मंडल रायपुर के अधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पूर्व रेलवे चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत राउरकेला- झारसुगुड़ा सेक्शन के बीच लेवल क्रॉसिंग की ऊंचाई बढ़ाने का निर्माण कार्य 09 जून को किया जायेगा। यह निर्माण करीब 05.30 घंटे तक चलेगा। इस निर्माण कार्य के चलते 08 जून को योगनगरी ऋषिकेश से चलने वाली 08478 योगनगरी ऋषिकेश-पूरी स्पेशल ट्रेन को योगनगरी ऋषिकेश से 03 घंटे 30 मिनिट देरी से रवाना की जाएगी। इसी प्रकार 09 जून को दुर्ग से चलने वाली 03287 दुर्ग-राजेन्द्रनगर स्पेशल ट्रेन को दुर्ग से 03 घंटे 25 मिनिट देरी से रवाना की जाएगी।

सांतरागाछी एवं पुणे के मध्य साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन की सुविधा 10 जून से

रायपुर (आरएनएस)। यात्रियो की सुविधा के लिए सांतरागाछी-पुणे-सांतरागाछी के मध्य 3 फेरों के लिए साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल की सुविधा 10 जून से प्रारंभ होने जा रही है। रेलवे अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार यह गाड़ी सांतरागाछी से पुणे के लिये प्रत्येक गुरुवार दिनांक 10, 17 एवं 24 जून, 2021 को 02492 नंबर के साथ चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन संतरागाछी से 23.25 बजे रवाना हो कर अगले दिन 10.30 बजे बिलासपुर, 12.45 बजे रायपुर, 13.40 बजे दुर्ग, 15.58 बजे गोंदिया एवं 17.50 बजे नागपुर होते हुए अगले दिन 09.05 बजे पुणे पहुंचेगी। इसी प्रकार यह ट्रेन पुणे से सांतरागाछी के लिए प्रत्येक शनिवार दिनांक 12, 19 एवं 26 जून 2021 को 02491 नंबर के साथ चलेगी। यह ट्रेन पुणे से 17.40 बजे रवाना होकर अगले दिन 09.15 बजे नागपुर, 11.30 बजे गोंदिया, 13.40 बजे दुर्ग, 14.15 बजे रायपुर, 16.00 बजे बिलासपुर, 19.35 बजे झारसुगुड़ा होते हुए अगले दिन 05.15 बजे संतरागाछी पहुंचेगी। इस गाड़ी में 04 एसएलआर, 02 पावरकार एवं 14 स्लीपर सहित कुल 20 कोच रहेंगे।

फरार हत्या का आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (आरएनएस)। पसान पुलिस ने घासीराम मेश्राम को आईपीसी की धारा 302 से संबंधित मामले में गिरफ्तार कर लिया है। आज उसे कटघोरा कोर्ट में पेश किया गया। टीआई ने बताया कि कुछ महीने पहले घासीराम ने अपनी पत्नी पर संदेह जताने के साथ मारपीट की थी। उसके बाद हत्या भी कर दी। सूचना मिलने पर मामले की जांच की गई और आरोपी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। तब से आरोपी फरार चल रहा था। मुखबीर की सूचना पर आरोपी को दबोचा गया है।

छत्तीसगढ़ के भूतपूर्व सैनिकों को भारतीय स्टेट बैंक में स्थाई बैंक गार्ड के पद पर की गई नियुक्ति

रायपुर (आरएनएस)। संचालनालय सैनिक कल्याण, छत्तीसगढ़ के अथक प्रयासों एवं सहायक महाप्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक, भोपाल के सहयोग से छत्तीसगढ़ राज्य के 90 भूतपूर्व सैनिक को भारतीय स्टेट बैंक में स्थाई बैंक गार्ड के पद पर नियुक्ति हेतु चयन किया गया है। संचालक संचालनालय सैनिक कल्याण छत्तीसगढ़ ने बताया कि भूतपूर्व सैनिक ने बैंक द्वारा आयोजित शारीरिक कौशल परीक्षा के लिए निर्धारित शर्तो में सफलता हासिल की हैं। उन्होंने सभी चयनित भूतपूर्व सैनिकों को इसके लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं।

प्रदेश में जल्द ही शुरू होगी धरसा विकास योजना - मुख्यमंत्री

» मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना से किसानों के लिए खुला आय का नया रास्ता

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि किसानों को उनके खेतों तक सुविधाजनक पहुंच के लिए प्रदेश में जल्द ही धरसा विकास योजना प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वृक्षारोपण योजना को राजीव गांधी किसान न्याय योजना से जोड़ते हुए किसानों के लिए आय का नया रास्ता खोला गया। मुख्यमंत्री ने आज अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में बलौदाबाजार-भाटापारा और महासमुन्द जिले में

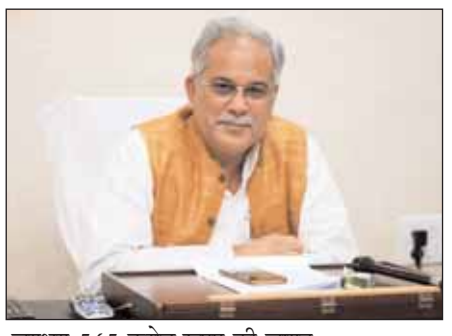

लगभग 565 करोड़ रूपए की लागत के 1430 कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। उन्होंने बलौदाबाजार जिले के लिए 295 करोड़ रूपए की लागत के 1172 कार्यों का और महासमुन्द जिले के लिए 270 करोड़ रूपए की लागत के 258 कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉकडाउन के समय निर्माण कार्य भले ही थोड़ा प्रभावित हुए लेकिन उससे ज्यादा जरूरी काम हमने पूरी ताकत के साथ जारी रखा। राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीबों, किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों को भूख, बेरोजगारी और भविष्य की चिंता से बचाने के लिए पूरी ताकत के साथ काम किया गया। पिछले साल भी लॉकडाउन के दौरान गरीबों को निःशुल्क चावल की व्यवस्था की गई थी। इस वर्ष मई और जून माह के निःशुल्क चावल की व्यवस्था पहले ही कर दी गई है, अब जुलाई से नवम्बर तक पांच महीने का चावल निःशुल्क दिया जाएगा। सभी राशनकार्डधारी को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के समकक्ष अतिरिक्त चावल भी वितरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की पहली और दूसरी लहर से विकास के जो काम प्रभावित हुए थे, उन्हें अब पूरी रफ्तार के साथ पूरा किया जाएगा। कोरोना की लहर कमजोर पड़ने के बाद इसकी शुरूआत हो चुकी है, कल दुर्ग और बालोद जिले में लगभग 700 करोड़ रूपए की लागत के कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया। उन्होंने बलौदाबाजार-भाटापारा और महासमुन्द जिले में लोकार्पण और भूमिपूजन सामरोह के दौरान पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष शैलेष नितिन त्रिवेदी की मांग पर बलौदाबाजार जिले के ग्राम पाहांदा से लिमाही होते हुए रायपुर तक पुल सहित पक्की सड़क निर्माण के लिए 6 करोड़ रूपए की स्वीकृति और बलौदाबाजार में ठेठवार यादव समाज के लिए सामुदायिक भवन निर्माण के लिए भूमि आबंटन होने पर भवन निर्माण के लिए 20 लाख रूपए की स्वीकृति देने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल की विपरित परिस्थितियों के बावजूद राज्य सरकार गरीबों, किसानों, मजदूरों और आदिवासियों सहित सभी वर्गों के हित में काम कर रही है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना ने किसानों की निराशा दूर करने का काम किया। खेती-किसानी के कामों में जब-जब किसानों को जरूरत हुई तब-तब राजीव गांधी किसान न्याय योजना की किश्तें उनके खातों में पहुंचती रहीं। पिछले साल इस योजना में चार किश्तों में 19 लाख किसानों के खाते में 5628 करोड़ रूपए की राशि सीधे भेजी गई। अब इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए इसमें धान और गन्ने के साथ-साथ अरहर, मक्का, कोदो, कुटकी, सोयाबीन, दलहन-तिलहन को भी शामिल किया गया है।

बघेल ने कहा कि कोरोना संकट के समय में गोधन न्याय योजना ने किसानों और पशुपालकों को बड़ा सहारा दिया है। गोबर विक्रेताओं को गोबर खरीदी के एवज में अब तक 95 करोड़ रूपए से अधिक राशि का भुगतान किया जा चुका है। पिछले लॉकडाउन के दौरान मनरेगा के कार्यों में रोजगार देने में छत्तीसगढ़ देश का अव्वल राज्य रहा है।

मुख्यमंत्री आज गरियाबंद और कबीरधाम जिले में 582 करोड़ रूपए के 1270 कार्यों का करेंगे लोकार्पण - भूमिपूजन

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 10 जून गुरूवार को दोपहर 12 बजे अपने रायपुर निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में गरियाबंद और कबीरधाम जिले में 581 करोड़ 97 लाख रूपए की लागत के 1270 कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन करेंगे। इनमें 357 करोड़ 23 लाख रूपए की लागत के 516 कार्यों का लोकार्पण और 224 करोड़ 74 लाख रूपए की लागत के 754 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री बघेल गरियाबंद जिले में जिन विकास कार्यों का लोकार्पणण-भूमिपूजन करेंगे। उनमें 176 करोड़ 94 लाख रूपए के 211 कार्यों का लोकार्पण और 180 करोड़ 29 लाख रूपए के 305 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इसी तरह कबीरधाम जिले में 98 करोड़ 73 लाख रूपए के 415 कार्यों का लोकार्पण और 126 करोड़ एक लाख रूपए के 339 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। अधोसंरचना विकास एवं सामाजिक विकास के इन कार्यों से दोनों जिलों में नागरिक सुविधाओं का विकास होगा।

राम वनगमन पर्यटन परिपथः चंदखुरी में विकास कार्य लगभग पूर्णता की ओर

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना राम वनगमन पर्यटन परिपथ विकास के तहत रायपुर जिले के ग्राम चंदखुरी में माता कौशल्या मंदिर क्षेत्र में विकास कार्य और सौन्दर्यीकरण का कार्य लगभग पूर्णता की ओर है। पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू ने समय-समय पर विकास कार्यों का अवलोकन करने के साथ ही संबंधित निर्माण एजेंसी और विभागीय अधिकारियों को सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते रहे हैं। भगवान राम के ननिहाल चंदखुरी का प्राचीन कौशल्या मंदिर के मूल स्वरूप को यथावत रखते

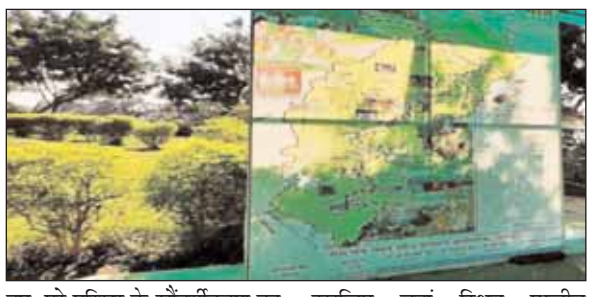

हुए, पूरे परिसर के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। राम वनगमन पर्यटन परिपथ विकास परियोजना में शामिल चंदखुरी में यह पूरा कार्य 31 करोड़ 68 लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। चंदखुरी को पर्यटन-तीर्थ के रूप में विकसित किया जाना है, इसलिए वहां स्थित प्राचीन कौशल्या माता मंदिर के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं का विकास भी किया जा रहा है। तालाब का सौंदर्यीकरण करते हुए तालाब के मध्य में स्थित मंदिर-टापू को और भी आकर्षक तथा सुव्यवस्थित किया जा रहा है। पौराणिक कथाओं से चंदखुरी के संबंध के अनुरूप पूरे परिसर के वास्तु को डिजाइन किया गया है। तालाब मंदिर तक पहुंचने के लिए तालाब में नये डिजाइन का पुल तैयार किया जा रहा है। तालाब में घाटों और चारों ओर परिक्रमा-पथ का निर्माण किया जा रहा है। दर्शनार्थियों के वाहनों के लिए पार्किंग सुविधा भी विकसित की जा रही है। इस पूरे परिसर में आकर्षक विद्युत साज-सज्जा के साथ रामायणकालीन थीम पर भव्य लाईट, साउॅण्ड एवं लेजर शो के क्रियान्वयन हेतु डीपीआर तैयार कर लिया गया है।

बच्चों को कुपोषण और निमोनिया से बचाएगी ममत्व की गर्माहट

» वनांचल क्षेत्र के 15 हजार बच्चों को कम्बल केयर

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दिशानिर्देश पर वन क्षेत्रों में शिशुओं और छोटे बच्चों को कुपोषण तथा निमोनिया से बचाने आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती तथा शिशुवती माताओं को कंबल वितरित किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ से कुपोषण मुक्ति के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए कई स्तरों पर काम किया जा रहा हैं। वनांचल और आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों में अधिक कुपोषण दर को देखते हुए इन क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर कुपोषण दूर करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में नारायणपुर जिले के सभी 556 आंगनबाड़ी केन्द्रों में जून माह के पहले सप्ताह में कार्यकर्ताओं द्वारा आंगनबाड़ी आने वाले 0-6 वर्ष के सभी बच्चों को 15 हजार कम्बलों का वितरण किया जा रहा है। इसके साथ ही बच्चों के समुचित विकास और ठंड से बचाव के लिए पालकों को कंगारू मदर केयर की भी जानकारी दी जा रही है। बरसात के पहले कम्बल पाकर बच्चे और उनके अभिभावक बहुत खुश हैं।पालकों ने छत्तीसगढ़ सरकार का आभार जताते हुए अपनी खुशी जाहिर की है।

वनांचल की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2020-21 में जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान अंतर्गत कुपोषित बच्चों और शिशुवती तथा गर्भवती महिलाओं सहित कमजोर और एनीमिक महिलाओं को पौष्टिक भोजन प्रदान करने के साथ आंगनबाड़ी केन्द्रों में आने वाले 0-6 वर्ष के सभी 15 हजार बच्चों को कम्बल प्रदान करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) से 71 लाख रुपये की व्यवस्था की गयी और खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की वित्तपोषित संस्था द्वारा कम्बल उपलब्ध कराए गए।

उल्लेखनीय है कि 2007 में बस्तर जिले से अलग होकर बना नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिला दंडकारण्य वन क्षेत्र का हिस्सा है। घने जंगलों और नदियों से घिरे इस क्षेत्र में गोंड, हल्बी, मारिया, मुरिया जैसी कई जनजातियां निवास करती हैं। जून के प्रथम सप्ताह से शुरू होकर शीत ऋतु के अंत तक यहाँ काफी ठण्ड पड़ती है। अधिक ठण्ड की वजह से ज्यादातर बच्चे इस अवधि में सर्दी जुकाम जैसी मौसमी बीमारियों से ग्रसित रहते हैं। ठण्ड की लम्बी अवधि का सामना आदिवासी समुदाय अंगीठी अथवा अलाव जलाकर करते हैं। इनसे निकलने वाला धुंआ भी बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य को अधिक प्रभावित करता है।

इस दौरान भोजन से मिलने वाली ऊर्जा शारीरिक विकास के बजाय शरीर को गर्म रखने में नष्ट हो जाती है। इन परिस्थितियों में बच्चे कुपोषण और निमोनिया के शिकार हो जाते हैं। आगामी बरसात और ठंड के पहले बच्चों को कम्बल वितरण की पहल से बच्चों में निमोनिया, कुपोषण और उससे होने वाली मृत्यु दर में कमी आएगी।

प्रदेश को कोविशिल्ड व कोवैक्सीन की अब तक कुल 82 लाख 59 हजार 80 डोजेज प्राप्त हुई

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश को जनवरी 2021 से लेकर अब तक 23 खेपों में 75 लाख 92 हजार 780 डोज कोविशिल्ड वैक्सीन की प्राप्त हुई है, वहीं जनवरी से अब तक 09 खेपों में सिर्फ 06 लाख 66 हजार 300 डोज कोवैक्सीन प्राप्त हुई है। इस प्रकार दोनों वैक्सीन के कुल 82 लाख 59 हजार 080 डोजेज प्राप्त हुई है।

18-44 वर्ष आयु समूह के लिये अब तक 9 लाख 38 हजार 530 डोज़ प्राप्त हुई है जिसमें 1.5 लाख कोवैक्सीन डोज 1 मई 2021 को, 3.5 लाख डोज कोविशील्ड वैक्सीन 8 मई 2021

को, 2 लाख 97 हजार 110 डोज कोविशील्ड वैक्सीन 15 मई 2021 को एवं 1 लाख 41 हजार 420 डोज कोविशील्ड वैक्सीन 5 जून 2021 को प्राप्त हुई है।

18-44 वर्ष आयुवर्ग के लाभार्थियों का अब तक करीब 8 लाख 85 हजार 736 टीकाकरण (कोवैक्सीन एवं कोविशील्ड वैक्सीन) किया जा चुका है।

मानसून 2-3 दिन में पहुंच सकता है छत्तीसगढ़

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मानसून अगले 2-3 दिन में पहुंच सकता है, वहीं अगले 24 घंटे के दौरान भी प्रदेश के कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा के साथ एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा, आकाशीय बिजली गिरने व अंधड़ चलने की भी संभावना है।

स्थानीय मौसम विभाग के कार्यालय से आज मिली जानकारी के अनुसार एक द्रोणिका दक्षिण उड़ीसा से दक्षिण गुजरात तक 3.1 से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक स्थित है। एक द्रोणिका उप हिमालयीन पश्चिम बंगाल से दक्षिण उड़ीसा तक 5.8 से 7.6 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित है। दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश से उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक झारखंड, गंगेटिक पश्चिम बंगाल के दक्षिणी भाग होते हुए उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक ऊपरी हवा

का चक्रीय चक्रवाती घेरा पूर्व मध्य और उससे लगे उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी में 4.5 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक स्थित है। इसके प्रभाव से एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर बंगाल की खाड़ी में 11 जून 2021 को निम्न दाब का क्षेत्र बनकर उसके और अधिक प्रबल होने की संभावना है। इसके आगे बढ़ने के पूर्व ही मानसून की सक्रियता मध्य और पूर्व के राज्यों में होने की सम्भावना है।

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मॉनसून पूरे मध्य और उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों, मुंबई सहित संपूर्ण कोंकण और आंतरिक महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों, गुजरात के दक्षिण के कुछ हिस्सों, आंध्र प्रदेश के कुछ और हिस्सों, तेलंगाना और मध्य बंगाल की खाड़ी और बंगाल की उत्तरी खाड़ी के कुछ और हिस्से में सक्रिय है। मानसून

बुलसर, मालेगांव, नागपुर, दक्षिण-पश्चिम मानसून अरब सागर और महाराष्ट्र के शेष हिस्सों, गुजरात के कुछ और हिस्सों, तेलंगाना के शेष हिस्सों, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों और पूर्वी ओडिशा, पश्चिम, पूरे हिस्से में आगे बढ़ने की संभावना है। अगले 2-3 दिनों के दौरान मानसून बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार में पहुंचने की सम्भावना है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं सीनियर एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

बिरसा मुंडा की तरह समर्पित होकर करें कार्य, हर क्षेत्र में मिलेगी सफलता- राज्यपाल

» राज्यपाल बिरसा मुण्डा बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार में हुई शामिल

रायपुर (आरएनएस)। बिरसा मुंडा की तरह समर्पित होकर कार्य करें, हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। बिरसा मुंडा ने अपने समय में शोषण के विरूद्ध आवाज उठाई और आम लोगों की समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया। आज उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। यह बात राज्यपाल सु अनुसुईया उइके आज राजभवन में आदिवासी समन्वय मंच द्वारा बिरसा मुण्डा बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर राज्यपाल ने बिरसा मुण्डा को नमन किया।

राज्यपाल ने कहा कि किसी महापुरूषों के कार्यों, अवदानों एवं जीवन का मूल्यांकन इस बात से होता है कि उन्होंने राष्ट्रीय एवं सामाजिक समस्याओं का समाधान किस सीमा तक किया, कितने कठोर संघर्षो से लोहा लिया। बिरसा मुंडा भी ऐसे ही एक युगांतरकारी शख्सियत थे, जिन्होंने अल्प अवधि में एक जननायक

की पहचान बनाई। बिरसा मुंडा एक ऐसे आदिवासी नेता थे, जिन्होंने शोषण, गुलामी के खिलाफ आवाज बुलंद की थी। उन्होंने अपनी क्रांतिकारी चिंतन से आदिवासी समाज की दशा एवं दिशा बदल दी। बिरसा मुण्डा ने आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन और उनके प्राकृतिक संसाधनों से बेदखल करने के खिलाफ महाविद्रोह 'ऊलगुलान' चलाकर तत्कालीन ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती भी दी। उन्होंने ब्रिटिश शासन द्वारा लागू किए गए कानूनों के खिलाफ संघर्ष करने के लिए आदिवासियों को संगठित किया। वे आदिवासियों को महामारी, हैजा, चेचक आदि को दैविक प्रकोप न मानकर उनसे बचने के उपायों के बारे में जानकारी देते थे। बिरसा मुंडा ने उस समय की व्यवस्था और अंधविश्वासों के विरूद्ध आदिवासियों को संगठित किया और अंतिम समय तक संघर्ष करते रहे।

राज्यपाल ने कहा कि बिरसा मुण्डा ने अनुभव किया कि आदिवासी समाज सामाजिक कुरीतियों और आडंबरों से घिरा हुआ है। इसे देखते हुए उन्होंने समाज को इन कुरीतियों से दूर रहने और समाज में प्रचलित आडंबरों के खिलाफ लोगों को जागरूक किया और समाज को अच्छाईयों को ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुण्डा, गुण्डाधुर और शहीद वीर नारायण सिंह जैसे अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा महानायकों की बदौलत हमें अमूल्य आजादी मिली है।